Email ID - raza.sayedmumtaz@gmail.com
Date 17.04.20

निःसन्देह सेवारत अप्रशिक्षित माध्यमिक अध्यापकों के लिए बी.एड के पत्राचार या दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाना आवश्यक है। परन्तु इन पाठ्यक्रमों में बी.एड के स्तर को बनाये रखना एक अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा आवश्यक उत्तरदायित्व कहा जा सकता है।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) ने सन् 1989 में प्रो. एम. बी. बुच की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था जिसे पत्राचार के द्वारा दी जाने वाली शिक्षक शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर विचार करने तथा दूरस्थ शिक्षा (Distance mode Education) के द्वारा विभिन्न श्रेणियों के अध्यापकों को शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करने के सम्बन्ध में अपने सुझाव देने का कार्य दिया गया। इस समिति ने बी.एड (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम को स्वीकार करते हुए इस सम्बन्ध में अनेक सुझाव दिये थे, जिनमें से कुछ प्रमुख सुझाव अग्रांकित प्रस्तुत किये जा रहे हैं -

(i) बी.एड (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम की अवधि 2 वर्ष होनी चाहिए।
(ii) मुद्रित पाठ्य सामग्री, दृश्य सामग्री व नियमित गृह कार्य तथा कम से कम तीन सप्ताह के प्रशिक्षुत्व Internship व 12 सप्ताह के सम्पर्क कार्यक्रम के द्वारा शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए
(iii) बी.एड (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम में प्रवेश परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों को प्रवेश दिये जाने चाहिये।
(iv) बी.एड (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम में छात्रों की संख्या पूर्व निर्धारित होनी चाहिए।
(v) प्रवेश अर्हतायें नियमित बी.एड के समान होनी चाहिए
(vi) प्रत्येक 500 छात्रों के लिये बाह्य पाठ लेखकों के अतिरिक्त 10 पूर्ण कालिक व 10 अंशकालिक अध्यापक अवश्य होने चाहिए
(vii) बी.एड (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम का शुल्क नियमित बी.एड के समान होना चाहिए। पाठ्य सामग्री व डाक व्यय अतिरिक्त लें